Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : Third

वेदान्त–मीमांसा–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. प्रकृति उपादानकारणत्व के संदर्भ में वेदान्त मत को सप्रमाण प्रस्तुत करें।
2. वेदान्तदर्शनानुसार असद्कारणवाद का निराकरण करें।
3. जगत् निर्माण के प्रति स्वतन्त्र परमाणुवाद का निराकरण वेदान्त दर्शनानुसार करें।
4. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार वेद के अपौरूषेयत्व का सविस्तार वर्णन करें।
5. परमाणुसमुदायवाद के संदर्भ में महर्षि बादरायण के मत को प्रस्तुत करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. वेदान्तदर्शनानुसार अनेकान्तवाद का आलोचनात्मक वर्णन करें।
2. "पत्युरसामञ्जस्यात्" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
3. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार वेद-विभाग को निरूपित करें।
4. "तदैक्षत बहुस्यां ..... तत्तेजोऽसृजत" – इस छान्दोग्यश्रुति के अनुसार आकाश की उत्पत्ति नहीं हुई है। इस संदर्भ में महर्षि बादरायण के मत को प्रस्तुत करें।
5. वेदान्त दर्शन के द्वितीय अध्याय में वर्णित ईश्वर के स्वरूप को सप्रमाण उल्लेख करें।
6. वेदान्तदर्शनानुसार ब्रह्म में प्राप्त विषमता एवं निर्दयता इन दो दोषों का परिहार करें।
7. "लोकवत्तु लीलाकैवल्यम्" – इस सूत्र की व्याख्या करें।

----------x----------